प्रभु आप जगो (प्रार्थना)

मेरे सर्व जगो, सर्वत्र जगो।
प्रभु आप जगो, प्रभु आप जगो।।

दुखान्तक खेल का अंत करो ।
प्रभु अंत करो, अब अंत करो ।।

सुखान्तक खेल प्रकाश करो।
प्रभु आप जगो, परमात्म जगो।।

मेरे सर्व जगो, सर्वत्र जगो ।
प्रभु आप जगो परमात्म जगो।।

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे।
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे।।

श्री वृन्दावन बिहारी लाल की जय ।
श्री सच्चे महाप्रभु की जय।

स्वर : परम् पूज्या संत करुणामयी गुरु माँ

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1459/title/mere-sarv-jago-sarvatr-jao-prabhu-aap-jago

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |